भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3008
गुरुवार, 21 दिसंबर 2023/30 अग्रहायण, 1945 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

'उड़ान' योजना के अंतर्गत प्रचालनशील विमानपत्तन

3008. श्री कुलदीप राय शर्मा:
श्रीमती मंजुलता मंडल:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा सहित देश में 'उड़ान' योजना के अंतर्गत कितने विमानपत्तनों का संचालन किया जा रहा है;
(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान इसके अंतर्गत आवंटित मार्गों की कुल संख्या कितनी है और इससे कुल कितना राजस्व अर्जित किया गया है;
(ग) इसके अंतर्गत वर्तमान में कितनी हवाई पट्टियां कार्यरत हैं;
(घ) इसकी स्थापना के बाद से परिचालित हवाई पट्टियों का उपयोग करने वाले उड़ानों की संख्या कितनी है;
(ङ) उक्त योजना की शुरुआत से लेकर इसके अंतर्गत कार्यशील विमानपत्तनों से यात्रा करने वाले यात्रियों की वर्ष-वार और विमानपत्तन-वार संख्या कितनी है;
(च) क्या यह सच है कि उक्त योजना के अंतर्गत कई विमानपत्तनों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं;
(छ) उक्त योजना के अंतर्गत चल रही परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और
(ज) इसकी स्थापना के बाद से क्षेत्रीय संपर्क निधि (आरसीएफ) के अंतर्गत एकत्र की गई कुल राशि कितनी है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल) (डॉ.), विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त)

(क): पिछले तीन वर्षों के दौरान उड़ान योजना के अंतर्गत प्रचालित किए गए हवाईअड्डों का ब्यौरा अनुबंध के तौर पर संलग्न है।

(ख): अभी तक, उड़ान योजना की बोली प्रक्रिया के पाँचवे (05) चरण के पूरा होने तक इस योजना के अधीन 1300 वैध मार्गों को अवार्ड किया जा चुका है जिनमें से 517 मार्गों को प्रचालनिक किए जा चुके हैं।

(ग): वर्तमान में आरसीएस योजना के 61 हवाईअड्डों पर उड़ानों का प्रचालन हो रहा है।

(घ): उड़ान योजना के अंतर्गत अभी तक 2.5 लाख से अधिक उड़ानों का प्रचालन किया जा चुका है।

(ङ): उड़ान योजना के अंतर्गत अभी तक 131 लाख से अधिक यात्री लाभान्वित हो चुके हैं।

(च): उड़ान एक मांग चालित योजना है। बोली प्रक्रिया के समय, मार्ग विशेष पर मांग आकलन के आधार पर इच्छुक एयरलाइनें अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। एक हवाईअड्डा जो उड़ान योजना के अंतर्गत अवार्ड किए गए मार्गों में शामिल है और जिसे उड़ान प्रचालनों को शुरू करने के लिए स्तरोन्नयन/विकास की आवश्यकता है उसे 'अप्रचालनिक और अल्प-प्रचालनिक हवाईअड्डों का पुनरुद्धार' योजना के अंतर्गत नो-फ्रिल्स हवाईअड्डे के रूप में विकसित किया जाता है।

हवाईअड्डे पर, रनवे का विस्तार और टर्मिनल भवनों के विस्तारण के साथ अवसंरचना/सुविधाओं का स्तरोन्नयन एक सतत प्रक्रिया है जिसे प्रचालनिक अपेक्षाओं, ट्रैफिक, मांग, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, भूमि की उपलब्धता आदि के आधार पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) अथवा संबंधित हवाईअड्डा प्रचालक द्वारा पूरा किया जाता है।

(छ): सरकार ने उड़ान योजना के अंतर्गत चल रही परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अनेक कदम उठाएं हैं। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

(i) स्तरोन्नयन निर्माणकार्यों की प्रगति की आवधिक समीक्षा।

(ii) हवाईअड्डे तथा आवंटित धनराशि की समीक्षा के लिए परियोजना मूल्यांकन समिति (पीईसी) गठित की जा चुकी है।

(iii) हेलीपोर्टों के विकास/प्रचालनीकरण के लिए, चयनित हेलीपोर्टों के समयबद्ध विकास हेतु पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल) को कार्यान्वयन एजेन्सी नियुक्त किया गया है।

(iv) वाटर एयरोड्रोमों (डब्ल्यूए) के विकास और प्रचालनीकरण के लिए, पत्तन पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने नागर विमानन मंत्रालय के साथ 15 जून, 2021 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

(ज): क्षेत्रीय विमान संपर्क निधि न्यास में 3659 करोड़ रुपये की धनराशि संग्रहित की जा चुकी है।

******

अनुबंध

क्रम. सं.	वर्ष	प्रचालनिक किए गए आरसीएस हवाईअड्डे
1	2020-21	9
2	2021-22	9
3	2022-23	8
4	2023-24 (14.12.2023 तक	2